# पाठ 11. नन्हे हाथों की करामात

## पाठ का परिचय

यह पाठ महान वैज्ञानिक जेम्स वाट के जीवन पर आधारित है। बचपन में एक बार जेम्स ने अंगीठी पर रखी केतली के ढक्कन को ज़ोर-ज़ोर से उछलते देखा। उन्होंने संडासी से दबाकर उसे रोकने की कोशिश की परंतु वह उछलता ही रहा। यहीं जेम्स को पहली बार भाप की शक्ति का अनुमान हुआ। जेम्स के पिता एक गरीब बढ़ई थे। जेम्स की माता की मृत्यु उसके बचपन में ही हो गई थी। जेम्स की प्रारम्भिक शिक्षा घर पर ही हुई। जेम्स ने गणित के औज़ार बनाकर ग्लासगो में एक रिश्तेदार के पास भेजे। वे पसंद किए गए और बिकने लगे। इसके बाद जेम्स जॉन मार्गन नामक व्यक्ति से मिले, जिसने एक साल तक उन्हें गणित के औज़ार बनाना सिखाया और अंत में इसका प्रमाणपत्र भी दिया। प्रमाणपत्र लेकर वे 'कॉलेज ऑफ ग्लासगो' के प्रोफेसर राबर्ट डिक के पास गए। जेम्स के बनाए औज़ार डिक महाशय को पसंद आए और उन्होंने जेम्स को वहीं गणित के औज़ार बनाने वाले के रूप में नौकरी दिलवा दी। एक दिन कॉलेज में न्यूकमेन का बनाया एक स्टीम इंजन नमूने के रूप में आया। जेम्स ने उसमें कई कमियाँ बताईं और अपना स्वयं का स्टीम इंजन बनाने का इरादा किया। जेम्स ने नक्शा तैयार करके उसपर काम करना शुरू किया और जल्दी ही जेम्स का वह अद्‌भुत भाप इंजन बनकर तैयार हो गया जिसके आधार पर आगे चलकर रेलगाड़ी चलाने की सोची गई। बाद में जेम्स ने अपने इंजन में और भी सुधार किए। इसने उसे विश्वप्रसिद्‌ध बना दिया।

## पाठ में निहित जीवन-मूल्य

कभी भी निराशा को अपने पास नहीं आने देना चाहिए। संघर्ष करने से सफलता अवश्य मिलती है। साहस के साथ जीवन जीने वाले हमेशा उन्नति के शिखर पर चढ़ते चले जाते हैं।

## पाठ का वाचन

स्वयं अध्यापक/अध्यापिका पूरे हाव-भाव के साथ पाठ पढ़ें। बीच-बीच में बच्चों से प्रश्न पूछें। एक-एक अनुच्छेद बच्चों से पढ़वाएँ। वाचन के दौरान बच्चों के अशुद्‌ध उच्चारण को शुद्‌ध करें।

## महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्नों पर आधारित चर्चा बच्चों से करें –

- आत्मविश्वास और नया करने की इच्छा मनुष्य की तरक्की में सहायक होती है, क्या तुम इस बात को मानते हो?
- यदि आत्मविश्वास न होगा तो क्या होगा?
- अपने आसपास हुई किसी घटना के बारे में बताओ जिससे आत्मविश्वास का महत्व उजागर होता हो।